

साधना पथ (भाग 193)



देव मणि शुक्ल

साधको -- आपसी विश्वास दापत्त्वा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और जल्दी गुण होता है। प्रेम के थागे की तरह ही विश्वास का थाग भी टूटने पर उन्हें नहीं जुँड़ पाता।

साधना पथ

है।
अ.ता.:
इसे सदा
जीवन्त बनाए रखना चाहिए।

विवाह नामक रिश्ता तभी सार्थक होता है, जब उसमें एक "तू" और एक "मैं" में बंधकर "हम" हो जाते हैं। फिर उन्हें कुछ "तेरा" या "मेरा" नहीं होता जो हमारा "होता है"। कहा गया है-

रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ा चक्काप।
टूटे से फिर ना जुँड़, जुँड़ गाँठ पड़ जाय।।

प्रेम के थागे को कभी तोड़ना नहीं चाहिए; क्योंकि वह यह एक बांध टूट जाता है, तो परिवार नहीं जुँड़ता और जुँड़ता भी है, तो इसमें गाँठ पड़ी रह जाती है।

समझदारी से परिवार में अन्तरिक समस्याएं उत्पन्न नहीं होती रखिए वर्षां बनता है। जहाँ सुख निष्ठा एवं आनन्द का अनुभव प्राप्त होता है।

सुख-समृद्धि से भार-पूरा परिवार ही धरती का वर्ष है। ऐसे परिवार की कल्पना सभी लोग करते हैं।

हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसका सुखी व सम्पन्न परिवार हो। हर की व्यवस्था इतनी उत्तम हो कि बड़ों को जीवन आदर व ब्रह्म मिले तथा छोटों को स्नेह व भरपूर ध्यार और आशीर्वाद मिले। इस तरह के परिवार के निर्माण में हर व्यक्ति का परस्पर सहयोग होना अत्यन्त आवश्यक है, वरना कभी-कभी गुह-क्लेश और वैचारिक मतभेदों के कारण अच्छे भूले रखिए वर्ष नहीं हो जाते हैं। हमें परिवार में संवेदना भावना एवं समझदारी का प्रमाण बढ़ाना चाहिए।

हिन्दू धर्म

भार का सर्वप्रमुख धर्म है, जिसे इसकी प्राचीनता एवं विश्वालत के कारण 'सानातन धर्म' भी कहा जाता है। इसाई, इस्लाम, बौद्ध, जैन आदि धर्मों के समान हिन्दू धर्म किसी पैमाने या व्यक्ति विशेष द्वारा स्थापित धर्म नहीं है, बल्कि वह प्राचीन काल से चले आ रहे विभिन्न धर्मों, मतभावों एवं धर्मालयों को सम्मुच्चय है। एक विकासपूर्ण धर्म होने के कारण विभिन्न कालों में इसमें नये-नये आयाएँ जुँड़ते गए। वास्तव में हिन्दू धर्म इन विश्वासों पर निर्मित है कि उसमें आदिम ग्राम देवताओं की पूजा-अर्चना तो दूसरों और क्वापतिक और अवधूत ध्यान कर्मकालीय आधाराना की जाती है। एक आर भक्ति रस से सराबों भक्त हैं, तो दूसरों और अनीश्वर-आनन्दवादी और वहाँ तक कि नासिक भी दिखाई पड़ जाते हैं। देवा जय, ताव या हिन्दू धर्म सर्वथा विरोधी सिद्धान्तों का भी उत्तम एवं सज्ज समन्वय है। यह हिन्दू धर्मवर्तमित्यों की उदारता, सर्वधर्मसम्भाव, सन्तानशीलता तथा धार्मिक सहिष्णुता की श्रेष्ठ भावना का ही परिणाम और परिचयाक है।

हिन्दू धर्म के स्रोत धर्म की प्राचीनता का अवधारण करने हेतु हजारों वर्ष पीछे वैदिक काल पर दृष्टिपात्र करना होगा। हिन्दू धर्म की प्राचीनता का मूल वेद ही है। वैदिक धर्म प्रकृति-पूजक, बहुदेवादी तथा अनुदानपूर्ण धर्म था। वैदिक उत्तम धर्म का अन्यान्य काल में प्रत्येक भौतिक तथा अन्यान्य धर्म विद्युत द्वारा भी अन्वेषण करना शुरू किया गया। इसी समय योग, साध्य, मित्र, साधित, सूर्य, अधिवन, उषा, इन्द्र, रुद्र, पर्वत्यन्त, अग्नि, वृत्तस्थिति, सामान्य आदि प्रमुख थे। इन देवताओं की आराधना की जाती थी। मंदिर तथा मूर्ति पूजा के अवधारण के माध्यम से की जाती थी। उपनिषद काल में हिन्दू धर्म के दर्शनिक पक्ष का विकास हुआ। साथ ही एक वैदिक धर्म विद्युत द्वारा भी अन्वेषण करना हो गया। इसी समय योग की चौदहवीं शताब्दी में योगी देवता विद्युत का विवरण दिया गया।

सर्व (जगत की सृष्टि), प्रतिसर्व (सृष्टि का विस्तार, लोप एवं पुनः सृष्टि), वंश (राजा और वंशावली), मन्त्रवर्त (भिन्न-भिन्न मनुओं के काल की प्रमुख घटनाएं) तथा वंशनुचरित (अन्य गैरवपूर्ण राजवंशों का विस्तृत विवरण)।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार ज्ञा द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस वी, 42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कुल श्याम लाल कालोनी बरोला सेक्टर 49 नोएडा 201301 गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र. से प्रकाशित, फोन 9891706853

शिक्षा, जागरूकता के अभाव में फैलती अंधविश्वास की जड़े

जहाँ पती का व्यवहार सेहिल हो तो वही पति को भी उसकी संवेदनाओं का आदर करते हुए। उसकी उचित आवश्यकताओं की पूर्ति करनी चाहिए। पति-पती की अपने-अपने जीवन में फैलते हुए एक दूसरे को अवगत करना चाहिए; क्योंकि इस पवित्र रिश्ते में गोपनीयता अच्छी नहीं होती।

कई बार हमारी अच्छी आदें अच्छे-भले रिश्ते में गाँठ डालने का काम करती है। यदि हम समय रहते उन आदें के प्रति जागरूकता बरतें तो अपने संबंध की बागिया को बिखरने से बचा सकते हैं।

उसके साथ देव मणि शुक्ल की इच्छा होती है, कि वह भोजन तो बड़े प्रेम से बनाती है, मगर भोजन करता समय दूरी करते हैं।

उसके साथ देव मणि शुक्ल की इच्छा होती है, कि वह भोजन के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है। जिसको आपसी विश्वास दापत्त्वा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और जल्दी गुण होता है। प्रेम के थागे की तरह ही विश्वास का आदर यही चाहिए।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए लगाई जानी चाहिए। अंधविश्वास का आदर यही विश्वास है।

शहीद भगव भाग्य सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नैजीवन भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास के कानून के अनुसार हमारी प्रतिवाद के लिए

7 समाज जागरण

एसडीएम महमदाबान ने बाढ़ व कटान का जायजा लिया। लोगों से सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा।

दैनिक समाज जागरण गौतम सिंह चौहान

रामपुर मथुरा सीतापुर। अखरी गांव में घाघर बढ़ने के साथ कटान भी तेजी से होने लगा है। अखरी में ओम प्रकाश, रामतीरथ का घर नदी में प्रवालित हो गया है। नरेंद्र, रामनरेश, रमेश, राम सुहावन के घर कटान की चाप में है। बाबा कुटी के पास भी नदी का कटान हो रहा है। जिसमें पांदर की जमीन सहित पेढ़ भी कटने की कागर पह है।

स्थिति की जानकारी लेने एसडीएम महमदाबाद ने मौके पर पहुंच कर लोगों को सहायता एवं हर संभव मद

करने का आश्वासन दिया लोगों को सुखित स्थान पर पलायन करने के लिए भी कहा। साथ में सी औ महमदाबाद तहसीलदार थाना प्रभारी चंद्रप्रकाश त्रिवेदी, क्षेत्रीय लेखाल, ग्राम पंचायत अधिकारी गृहित कुमार, जय प्रकाश वर्मा दिलीप कुमार, ग्राम प्रधान जन्मेजय सिंह भी मौजूद रहे।

दहेज हत्या का वार्षिक अभियुक्त गिरफतार

दैनिक समाज जागरण विधिन कुमार श्रीवास्तव

पुलिस अधीक्षक गोप्ता आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अधियन के अन्तर्गत वार्षिक अभियुक्तों की सीधी गिरफतारी करने के लिए उन्हें जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिये थे।

उक्त निर्देश के अनुकूल में थाना कटराबाजार पुलिस ने दहेज हत्या के वार्षिक अभियुक्त रामसोने को गिरफतार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने वादिनी श्रीमती रमानंद की पत्नी रामलाल की लड़की को दहेज की बात को लेकर प्रताड़ित करते हुए अपने परिजनों के साथ प्रभारी जान से मार दिया था जिसके सम्बन्ध में वादिनी द्वारा थाना कटराबाजार में अधियोग पंजीकरण कराया गया था। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कटराबाजार पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाही की गयी।

पेशी के दौरान पुलिस अभियक्षा से हत्याभियुक्त को धन्यवान्त्र के तहत फटार कराने का मुख्य आदोपी अभियुक्त गिरफतार, अवैध तमंचा कारतूस बरामदः-

दैनिक समाज जागरण विधिन कुमार श्रीवास्तव

पुलिस अधीक्षक गोप्ता आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अधियन के तहत वार्षिक अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफतारी करने के लिए उन्हें जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिये थे।

उक्त निर्देश के अनुकूल में थाना कोठार को गिरफतार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने अधियोगी श्रीमती रमानंद की पत्नी रामलाल की लड़की को दहेज की बात को लेकर प्रताड़ित करते हुए अपने परिजनों के साथ प्रभारी जान से मार दिया था जिसके सम्बन्ध में वादिनी द्वारा थाना कटराबाजार में अधियोग पंजीकरण कराया गया था। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कटराबाजार पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाही की गयी।

सिंगारी देहात के ग्राम बालाराम पुरवा में शिव मन्दिर का निर्माण कार्य शुभारंभ मन्दिर निर्माण कार्य प्रधान प्रतिनिधि अर्जुन गुप्ता की अगुवाई में सम्पन्न हुआ

दैनिक समाज जागरण व्यारो प्रमुख लखीमपुर/प्रभाकर गोपा त्रिपाठी

सिंगारी खीरी-ग्राम पंचायत सिंगारी सिंगारी देहात के ग्राम बालाराम पुरवा में अर्जुन गुप्ता (प्रधान प्रतिनिधि) ने सभी की सहमती से एक शिव मन्दिर करने का निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिये थे।

उक्त निर्देश के अनुकूल में थाना कोठार नगर पुलिस ने पेशी के दौरान पुलिस अभियक्षा से अभियुक्त रामसोने को धन्यवान्त्र के तहत फटार कराने के मुख्य आदोपी अभियुक्त विकास सिंह उर्फ आकाश ठाकुर को गिरफतार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने धन्यवान्त्र के तहत अभियुक्त रामसोने की पत्नी को पेशी के दौरान पुलिस अभियक्षा से फरार कराया था। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोठार पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाही की गयी।

सिंगारी देहात के ग्राम बालाराम पुरवा में शिव मन्दिर का निर्माण कार्य शुभारंभ मन्दिर निर्माण कार्य प्रधान प्रतिनिधि अर्जुन गुप्ता की अगुवाई में सम्पन्न हुआ

दैनिक समाज जागरण व्यारो प्रमुख लखीमपुर/प्रभाकर गोपा त्रिपाठी

सिंगारी खीरी-ग्राम पंचायत सिंगारी सिंगारी देहात के ग्राम बालाराम पुरवा में अर्जुन गुप्ता (प्रधान प्रतिनिधि) ने सभी की सहमती से एक शिव मन्दिर करने का निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को दिये थे।

उक्त निर्देश के अनुकूल में थाना कोठार नगर पुलिस ने पेशी के दौरान पुलिस अभियक्षा से अभियुक्त रामसोने को धन्यवान्त्र के तहत फटार कराने के मुख्य आदोपी अभियुक्त विकास सिंह उर्फ आकाश ठाकुर को गिरफतार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने धन्यवान्त्र के तहत अभियुक्त रामसोने की पत्नी को पेशी के दौरान पुलिस अभियक्षा से फरार कराया था। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोठार पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाही की गयी।

सवायजपुर में हृषि फायरिंग करने वाला युवक गिरफतार बंदूक भी जब्त की गई।

सोशल मीडिया पर हृषि फायरिंग करते हुए वीडियो हुआ था वायरल।

अखिलेश सिंह हरदोई सवायजपुर तहसील क्षेत्र के अरवल थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुलिया गांव निवासी राम मित्र अपने घर के बाहर बने कुएं की सफाई कर रहा था।

अचानक से कुंआ भर गया। जिससे राम मित्र कुएं में दाढ़ गया।

कुएं की गवर्हर लगाया गया।

करीब हो गया।

प्रामोंजों ने इसकी

सूचना अरवल पुलिस को दी।

पुलिस ने परिजनों को ढांचे बने रहे थे।

परिजन इसके बाहर रहे थे।

